टीका जानकारी विवरण

डी टी एपी (डिफ्थीरिआ, टेटनस एवं पर्टूसिस)का टीका जानने योग्य तथ्य

टीकों के बारे में अधिक जानकारी स्पेनिश एवं अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध है।
संदर्भ : www.immunize.org/vis

1. टीकाकरण क्यों जरुरी है?

डी टी एपी का टीका बच्चों को **डिफ्थीरिआ, टेटनस एवं पर्टूसिस से** बचाता है।

- **डिफ्थीरिआ (डी)** कई समस्याओं जैसे; श्वसन में कठिनाई, लकवा, हार्ट फेल्योर का कारण बन सकता है। अमेरिका में इस टीके के पूर्व हजारों की संख्या में बच्चे डिफ्थीरिया के कारण मृत्यु का शिकार हो जाते थे।
- **टेटनस (टी)** के कारण पेशियों में दर्दकारी कठोरता उत्पन्न होती है, इसके कारण जबड़ा बन्द या कस जाता है, जिससे मुंह खोलना एवं निगलना संभव नहीं होता है। टेटनस के 5 रोगियों में से लगभग एक की मृत्यु हो जाती है।
- **पर्टूसिस (एपी)** को व्हूपिंग कॉफ भी कहते हैं। इसमें खांसी के इतने बुरे दौरे पड़ते हैं कि शिशु एवं बच्चों को खाना, पीना और सांस लेना भी कठिन हो जाता है। इसके कारण न्यूमोनिआ, सीजर्स (तेज झटके और मूर्च्छा के दौरे), मस्तिष्क को नुकसान और मृत्यु तक हो सकती है।

डी टी एपी से टीकाकृत अधिकतर बच्चों को उनके बाल्यकाल में डिफ्थीरिआ, टेटनस और पर्टूसिस से संरक्षण मिल जाता है। टीकाकरण नहीं होने या रोकने की स्थिति में वर्तमान से और अधिक संख्या में बच्चे इन रोगों से ग्रसित हो जाएंगे।

2. डी टी एपी टीका

बच्चों को डी.टी. एपी. की 5 खुराकें (डोज) मिलनी चाहिएं। प्रत्येक बार एक खुराक, निम्न आयु पर दी जानी चाहिए :

- 2 माह
- 4 माह
- 6 माह
- 15-18 माह
- 4-6 वर्ष

डी.टी.एपी. को अन्य टीकों के साथ दिया जा सकता है। इसके अलावा बच्चों को एक या अन्य टीकों के साथ एकल इंजेक्शन (सिंगल शॉट) के रुप में भी डी.टी.एपी. टीका दिया जा सकता है।

3. किन बच्चों को डी.टी.एपी. टीका नहीं लगाना चाहिए अथवा प्रतीक्षा करनी चाहिए

डी.टी.एपी. का टीका 7 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए ही अनुशंषित है, यह टीका हर एक के लिए उपयुक्त नहीं है-बहुत कम संख्या में कुछ बच्चों को एक अलग प्रकार का टीका लगाना चाहिए जिसमें डी.टी.एपी. के स्थान पर केवल डिफ्थीरिआ और टेटनस का टीका ही होता है।

अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता (हेल्थ केअर प्रोवाइडर) को बताएं, यदि बच्चे को :

- **डी.टी.एपी. की पूर्व में दी गई खुराक से एलर्जिक रिएक्शन** हुआ हो अथवा कोई भी **गंभीर, प्राणघातक एलर्जी** हुई हो।
- **डी.टी.एपी. की खुराक के उपरांत 7 दिन के भीतर कॉमा (गहन मूर्च्छा) अथवा बार-बार पड़ने वाले लम्बे दौरे** आए हों।
- **दौरे आते हों अथवा कोई दूसरी स्नायु तंत्र की समस्या हो।**
- **गुलेन बेरी सिन्ड्रोम (जी.बी.एस.)** जैसी स्थिति या रोग हो।
- डी.टी.एपी. अथवा डी.टी. टीके की **पूर्व में दी गई खुराक के पश्चात गंभीर दर्द हुआ हो अथवा सूजन आई हो।**

कुछ प्रकरणों में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता आपके बच्चे का डी.टी.एपी. टीकाकरण, अगली विजिट तक स्थगित करने का निर्णय ले सकता है।

छोटी-मोटी अस्वस्थता जैसे-जुकाम से पीड़ित बच्चे को टीका दिया जा सकता है लेकिन बच्चों के मध्यम अथवा गंभीर बीमार होने की स्थिति में स्वास्थ्य लाभ होने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए।

इस विषय में आपका स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता अधिक जानकारी प्रदान कर सकता है।

U.S. Department of
Health and Human Services
Centers for Disease
Control and Prevention

4. टीका प्रतिक्रिया (वैक्सीन रिएक्शन) के खतरे

- डी. टी. एपी. के बाद शॉट (इंजेक्शन) वाले स्थान पर लालिमा, छोटा घाव, सूजन एवं संवेदनशीलता पाया जाना सामान्य है।
- कभी-कभी डी. टी. एपी. का टीका लगाने के 1 से 3 दिन पश्चात ज्वर, व्याकुलता, थकान, कम भूख एवं उल्टी की शिकायतें हो सकती हैं।
- बहुत कम स्थितियों में डी. टी. एपी. का टीका लगाने के बाद कुछ गंभीर रिएक्शन जैसे दौरे, बिना रुके लगातार 3 घंटा या अधिक समय तक रोना अथवा उच्च ज्वर (105^{0}F से अधिक) घटित हो सकते हैं। कतिपय मामलों में विशेषकर बड़े बच्चों में, टीके की चौथी अथवा पांचवी खुराक के बाद पूरी भुजा अथवा पैर में सूजन आ सकती है।
- बहुत ही अपवादस्वरुप डी. टी. एपी. का टीका लगाने के बाद लम्बी अवधि के दौरे, कॉमा, चेतना में कमी अथवा मस्तिष्क को स्थायी हानि हो सकती है।

किसी अन्य औषधि के समान वैक्सीन से होने वाले गंभीर एलर्जिक रिएक्शन, कोई गंभीर दुर्घटना अथवा मृत्यु की संभावनाएं बहुत दूर हैं।

5. गंभीर समस्या की स्थिति में निर्देश

क्लिनिक से जाने के उपरांत, बच्चे को एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। यदि बच्चे में गंभीर एलर्जिक रिएक्शन के लक्षण (खुजली, गले एवं चेहरे पर सूजन, सांस लेने में कठिनाई, तेज हृदीय धड़कन, चक्कर आना अथवा कमजोरी) दिखाई पड़े तो 9-1-1 पर कॉल करें तथा बच्चे को नजदीकी हॉस्पिटल ले जाएं।

अन्य परेशानी वाले चिन्हों हेतु अपने बच्चे के स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता को कॉल करें।

गंभीर रिएक्शन की घटना की रिपोर्ट वैक्सीन एडवर्स ईवेंट रिपोर्टिंग सिस्टम (VAERS) को करनी चाहिए। सामान्यतः यह रिपोर्ट डॉक्टर फाइल करते हैं अथवा आप स्वयं भी फाइल कर सकते हैं। www.vaers.hhs.gov पर विजिट करें अथवा 1-800-822-7967 पर कॉल करें। बेअर्स (VAERS) केवल रिएक्शन की रिपोर्टिंग हेतु है, यह किसी प्रकार की चिकित्सकीय सलाह नहीं देता है।

6. राष्ट्रीय टीका-दुर्घटना क्षतिपूर्ति कार्यक्रम

नेशनल वैक्सीन इंजरी कंपन्सेशन प्रोग्राम (VICP), एक संघीय कार्यक्रम है, जिसका निर्माण उन व्यक्तियों को क्षतिपूर्ति करने हेतु किया गया है जिन्हें किन्हीं टीकों के कारण हानि या क्षति हुई है।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त करने तथा क्षतिपूर्ति दावा करने हेतु **www.hrsa.gov/vaccinecompensation** पर विजिट करें अथवा **1-800-338-338-2382** पर कॉल करें।

क्षतिपूर्ति हेतु दावा (क्लेम) करने की समय सीमा निर्धारित है।

7. अधिक जानकारी हेतु स्त्रोत

- अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता (हेल्थ केयर प्रोवाइडर) से पूछताछ करें।
- अपने स्थानीय या राज्य स्वास्थ्य विभाग को काल करें।
- रोग नियंत्रण एवं निवारण केन्द्र (CDC) से सम्पर्क करें।

\- **1-800-232-4636 (1-800-CDC-INFO)** पर काल करें।

अथवा

\- **www.cdc.gov/vaccines** पर विजिट करें।

Vaccine Information Statement (Interim)

DTaP (Diphtheria, Tetanus, Pertussis) Vaccine

Hindi

08/24/2018 | 42 U.S.C. § 300aa-26